बी.ए. कण्ठ संगीत प्रथम सेमेस्टर
2013–14 से

lkk;kfxd

अंक 100

1. यमन, बिलावल, भैरव रागों में प्रारंभिक पांच अलंकार आरोह, अवरोह तथा पकड सहित

2. उपर्युक्त तीनों रागों में सरगम का गायन, एवं लक्षणगीत का गायन

3. उपर्युक्त तीनों रागों में मध्यलय खयाल का गायन

4. निम्नलिखित तालों का दुगुन सहित हाथ से प्रदर्शन
   1. तीनताल 2. तिलवाडा 2. झपताल 4. एकताल
   5. चौताल

5. उपर्युक्त रागों की मौखिक परीक्षा

बी.ए. कण्ठ संगीत प्रथम सेमेस्टर
2013–14 से

लिखित प्रश्नपत्र (नियमिति छात्रों क लिए)

सैध्दान्तिक अंक 85+15

इकाई प्रथम

1. निम्नलिखित रागों की सम्पूर्ण जानकारी (दोहा, आरोह, अवरोह, पकड सहित)

   1. यमन 2. बिलावल 3. भैरव

2. पाठ्यक्रम के रागों में प्रारंभिक पॉच अलंकारों का लेखन

इकाई द्वितीय

1. हिन्दुस्तानी संगीत के 10 ठाठों की नाम व स्वर सहित जानकारी
2. पं. विष्णुनारायण भातखण्डे की स्वरलिपि पध्दति की जानकारी

इकाई तृतीय

1. पं. विष्णु नारायण भातखण्डे का जीवन परिचय
2. सरगम, लक्षणगीत खयाल की जानकारी

इकाई चतुर्थ

1. निम्नलिखित तालों का दुगुनसहित लेखन

1.तीनताल 2. तिलवाडा 3. झपताल 4. एकताल 5. चौताल

इकाई पंचम

निम्नलिखित की परिभाषाएॅ–

1. नाद 2. स्वर (शुध्द–विकृत) 3. सप्तक(मन्द्र,मध्य,तार) 4. अलंकार
5. आरोह–अवरोह–पकड 6. ठाठ–राग 7. रागजाति 8. आश्रय राग
9. वादी–संवादी–अनुवादी–विवादी 10. लय(विलखित मध्य, द्रुत) 11. श्रुति
12. कणस्वर

बी.ए. कण्ठ संगीत द्वितीय सेमेस्टर

2013–14 से

प्रयोगिक अंक 100

1. असावरी, खमाज,ब्रिन्दावनी सारंग रागों में प्रारंभिक पांच अलंकार, आरोह, अवरोह,पकड सहित
2. उपर्युक्त तीनों रागों में सरगम का गायन, एवं लक्षणगीत का गायन
3. उपर्युक्त तीनों रागों में मध्यलय खयाल का गायन
4. निम्नलिखित तालों का दुगुन सहित हाथ से प्रदर्शन

   1. दादरा 2. कहरवा 2. धमार 4. सूलताल
5. उपर्युक्त रागों की मौखिक परीक्षा एवं गत वर्ष के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्त

बी.ए. कण्ठ संगीत द्वितीय सेमेस्टर

2013–14 से

लिखित प्रश्नपत्र (नियमिति छात्रों क लिए)

सैध्दान्तिक अंक 85+15

इकाई प्रथम

1. निम्नलिखित रागों की सम्पूर्ण जानकारी (दोहा,आरोह,अवरोह,पकड सहित)

   1. आसावरी 2. खमाज 3. ब्रिन्दावनी सारंग

2. पाठ्यक्रम के रागों में प्रारंभिक पॉच अलंकारों का लेखन

इकाई द्वितीय

1. रागजाति का विस्तृत अध्ययन
2. पं. विष्णु दिगम्बर पलूसकर की स्वरलिपि पध्दति की जानकारी

इकाई तृतीय

1. पं. विष्णु दिगम्बर पलूसकर का जीवन परिचय
2. ध्रुवपद, धमार एवं तराना की जानकारी

इकाई चतुर्थ

2. निम्नलिखित तालों का दुगुनसहित लेखन
   1.दादरा 2. कहरवा 3. धमार 4. सूलताल

इकाई पंचम

1. गायक के गुण एवं अवगुण
2. वाग्ग्येयकार की परिभाषा व प्रकार

बी.ए. वाद्य संगीत प्रथम सेमेस्टर

2013–14 से

लिखित प्रश्नपत्र (नियमिति छात्रों क लिए)

सैध्दान्तिक अंक 85+15

इकाई प्रथम

1. निम्नलिखित रागों की सम्पूर्ण जानकारी (दोहा, आरोह, अवरोह, पकड सहित)
   1. यमन 2. बिलावल 3. काफी
2. पाठ्यक्रम के रागों में प्रारंभिक दस अलंकारों का लेखन

इकाई द्वितीय

1. हिन्दुस्तानी संगीत के 10 ठाठों की नाम व स्वर सहित जानकारी
2. पं. विष्णुनारायण भातखण्डे की स्वरलिपि पध्दति की जानकारी

इकाई तृतीय

जीवनी तथा योगदान

1. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. उ. अलाउद्दीन खां

इकाई चतुर्थ

3. निम्नलिखित तालों की सम्पूर्ण जानकारी दुगुनसहित लेखन
   1.तीनताल 2. तिलवाडा 3. एकताल 4. चौताल
   5. कहरवा

इकाई पंचम

निम्नलिखित की परिभाषाएॅ–

1. नाद 2. स्वर (शुध्द–विकृत) 3. सप्तक(मन्द्र मध्य तार) 4. अलंकार
5. आरोह–अवरोह–पकड वादी, संवादी, अनुवादी विवादी 6. ठाठ–राग
7. रागजाति 8. मींड 9. सूत 10. घसीट

बी.ए. वाद्य संगीत प्रथम सेमेस्टर

2013–14 से

प्रायोगिक अंक 100

1. राग यमन,बिलावल, व काफी रागों की मौखिक जानकारी

2. राग यमन,बिलावल, व काफी रागों में प्रारंभिक दस अलंकार आरोह, अवरोह, तथा पकड सहित ।

3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में द्रुत गत तान सहित
4. निम्नलिखित तालों का दुगुन सहित हाथ से प्रदर्शन ।
   1. तीनताल 2. तिलवाडा 3. एकताल 4. चौताल 5. कहरवा
5. राष्ट्रगीत, देशभक्ति गीत, धुन का वादन ।

बी.ए. वाद्य संगीत द्वितीय सेमेस्टर

2013–14 से

लिखित सैध्दान्तिक प्रश्नपत्र (नियमिति छात्रों क लिए)

सैध्दान्तिक अंक 85+ 15

इकाई प्रथम

1. निम्नलिखित रागों की सम्पूर्ण जानकारी (दोहा,आरोह,अवरोह,पकड सहित)

   1. भूपाली 2. खमाज 3. वृन्दावनी सारंग

इकाई द्वितीय

1. पं. विष्ण दिगम्बर पलुस्कर की स्वरलिपि पध्दति का अध्ययन
2. पाठ्यक्रम के रागों की गतों का स्वरलिपि लेखन

इकाई तृतीय

निम्नलिखित का सामान्य ज्ञान

1. वादकों के गुण दोष
2. वाद्यों का वर्गीकरण (लत अवनध्द सुषिर घन)

इकाई चतुर्थ

4. निम्नलिखित तालों की सम्पूर्ण जानकारी दुगुन की लयकारी सहित
1.रूपक 2. तीवा 3. झपताल 4. सूलताल
5. दादरा

इकाई पंचम
1.निम्नलिखित की परिभाषाऍं–
1. श्रुति 2. स्वरस्थान 3. ध्वनि 4. संधिप्रकाश राग 5. झाला
6. जमजमा 7. कण 8. कृन्तन 9. खटका 10. मुर्की
2. अपने वाद्य की संक्षिप्त जानकारी (चित्र सहित)

बी.ए. वाद्य संगीत प्रथम सेमेस्टर
2013–14 से

प्रयोगिक अंक 100

1. निम्नलिखित रागों की जानकारी
1. भूपाली 2. खमाज 3. वृन्दावनी सारंग
2. प्रत्येक स्वर पर सितार के बोलों का अभ्यास व कोमल विकृत स्वरों की जानकारी
3.पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित गत एवं सभी रागों में द्रुत गत तान सहित ।
4. निम्नलिखित तालों का दुगुन सहित हाथ से प्रदर्शन ।
1. रूपक 2. तीव्रा 3. झपताल 4.सूलताल 5. दादरा
5. राष्ट्रगीत, धुन, भजन आदि का वादन ।

बी.ए. नृत्य प्रथम सेमेस्टर
2013–14 से

पूर्णांक – 85
न्यूनांक – 28

सैध्दान्तिक – प्रश्नपत्र प्रथम

इकाई 1. कथक नृत्य का परिचय
कथक नृत्य के उभ्दव व विकास का प्रारंभिक ज्ञान
इकाई 2 नृत्य में गायन व वादन का महत्व
नाट्य, नृत्त व नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान
इकाई 3 वाद्य यंत्रों की संक्षिप्त जानकारी
कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले पारम्परिक वाद्य यंत्रों का परिचय
इकाई 4 निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान
सम, मात्राा,लय,आवर्तन,विभाग, ताली–खाली
अभिनव दर्पण के अनुसार 28 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का ज्ञान

इकाई 5 जीवनी तथा योगदान
बिंदादीन महाराज
जयलाल महाराज
पं. दुर्गालाल

पूर्णांक – 50
न्यूंनांक – 17

lkk;kxhd

ताल नर्तन एवं अभिनय

ताल नर्तन
ताल त्रिताल में नर्तन
तत्कार,थाह,दुगुन,चौगुन लय में
नमस्कार
थाट
आमद
टुकडे–02
तोडे–सादे–04
चक्रदार तोडे – 02
तिहाईया– 02
ताल परिचय – दादरा,कहरवॉ

अभिनय–श्लोक,गतनिकास,सीधीगत, मुरली एवं मटकी ग्रीवा भेद एवं प्रथम 14 असंयुक्त हस्त मुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन

बी.ए. नृत्य द्वितीय सेमेस्टर
2013–14 से

पूर्णांक – 85
न्यूंनांक – 28

सैध्दान्तिक – प्रश्नपत्र प्रथम

इकाई 1 कथक नृत्य का प्रदर्शन क्रम
अभिनय की परिभाषा व भेद
इकाई 2 नर्तक,नर्तकी व नृत्याचार्य के गुण दोष
घुंघरू की जानकारी
इकाई 3 भातखण्डे ताल लिपि प्रणाली का परिचय
निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान –
थाट, आमद, परन, कवित्त, तोडा, टुकडा, चक्रदार, दमदार,

बेदमदार, गतनिकास

इकाई 4 अभिनय दर्पण के अनुसार
ग्रीवा भेद
शिरो भेद

इकाई 5 ताल त्रिताल में बोलों को लिपिबध्द करना
निम्नलिखित तालों में ठेके की ठाह व दुगुन–
दादरा
कहरवा
झपताल

बी.ए. कथक नृत्य द्वितीय सेमेस्टर
2013–14 से

पूर्णांक – 50
न्यूनांक – 17

प्रायोगीक
ताल नर्तन एवं अभिनय

ताल नर्तन

ताल त्रिताल में निम्नलिखित को करने की क्षमता –
परन–सादी–02
चक्रदार–02
तत्कार के पल्टे
ताल झपताल–परिचय
टुकडे–02ततकार थाह व दुगुन लय में
सादेतोडे–03
चक्रदार तोडे – 02
तिहाईया– 01

अभिनय– गतभाव (कोई एक)
शिरोभेद का प्रायोगिक प्रदर्शन
असंयुक्त हस्त मुद्राओं का श्लोक सहित (अभिनय दर्पण में वर्णित)
प्रायोगिक प्रदर्शन